

Board took up its construction and completed the work. After obtaining further technical information, the Power Telecommunications Co-ordinating Committee accorded its provisional approval for the energisation of the line. The final approval of the Committee will be issued on receipt of some further technical data from the Kerala State Electricity Board.

Expenditure on Indo-Pakistan War

270. Shri Badshah Gupta: Will the Minister of Finance be pleased to state the total expenditure incurred by Government in the last Indo-Pakistan conflict?

The Minister of Finance (Shri Sachindra Chaudhuri): It is difficult to compute the total expenditure incurred by the Government in the last Indo-Pak conflict. Even if it were possible to do, it would not be in public interest to divulge it.

Housing Loans given by L.I.C.

271. Shri V. V. Thevar: Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) whether the Life Insurance Corporation of India gives loans to the policy holders and State Housing Boards;

(b) whether there is any difference in the rate of interest;

(c) if so, the difference with the reasons therefor; and

(d) whether there is any proposal to equalise the rate of interest to policy-holders to that given to the State Housing Boards?

The Minister of Finance (Shri Sachindra Chaudhuri): (a) The Life Insurance Corporation of India gives loans under the 'Own Your Home' Scheme to policy holders for construction or extension of houses and purchase of recently constructed houses. No loans are being given to State Housing Boards by the Corporation.

3435 (A1) LS.—3

(b) to (d). Do not arise.

पहाड़ी क्षेत्रों में सिंचाई के लिए पानी

273. श्री कृष्ण जय शङ्कर :

श्री बुद्धवीर सिंह :

श्री बड़े :

श्री रामेश्वरानन्द :

क्या विभाग श्री विद्युत मंत्री यह बतावे की कृपा करें कि :

(क) क्या देश के पहाड़ी क्षेत्रों में सिंचाई के लिये पानी उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में सरकार ने कोई योजना बनाई है; और

(ख) यदि हाँ, तो इसका व्योरा क्या है और यह कब तक लागू की जायेगी ?

सिंचाई और विद्युत मंत्री (श्री फलश्रीव प्रहमव) : (क) और (ख). आद्य व कृषि मंत्रालय के पहाड़ी क्षेत्र सम्बन्धी कार्यकारी दल के सिंचाई उप-दल ने पहाड़ा इलाकों में सिंचाई के विकास के लिये प्रस्ताव बनाये हैं। इस उप दल की रिपोर्ट पर योजना आयोग के काम कर रहा पहाड़ा क्षेत्र विकास सम्बन्धी स्टीयरिंग कमेटी ने अभी विचार करना है।

आय-कर से बचने के लिए जाली फर्मों की स्थापना

274. श्री बड़े : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिसार के एक बर्काल ट्रांस कर का अपवचन करने के हेतु काल्पनिक नामों का प्रयोग करके फर्मों स्थापित करने के मामले का सरकार को पता चला है;

(ख) यदि हाँ, तो इस सम्बन्ध में सरकार क्या कार्यवाही कर रही है;

(ग) क्या यह भी सच है कि ऐसी फर्मों की जांच के सम्बन्ध में आय-कर विभाग के

कुछ अधिकारियों को निलम्बित कर दिया गया है;

(घ) क्या यह सच है कि इन निलम्बित अधिकारियों को अभी तक कोई आरोप-पत्र नहीं दिया गया है;

(ङ) क्या यह सच है कि आरोप-पत्र बंदिये जाने के कारण एक आयकर अधिकारी 28 दिन के पश्चात् मर गया; और

(च) सरकार द्वारा इस मामले में क्या कार्यवाही की जा रही है ?

वित्त मंत्री (श्री शचीन्द्र चौधरी) :

(क) जी, हां ।

(ख) हिसार, दिल्ली, बीकानेर, बीगानगर और कलकत्ता में एक साथ हलाकों ली गईं । बोगस फर्मों की बहियां बायीं गईं और जन्त कर ला गईं । बकाल और उसके सहयोगियों ने यह स्वांकार कर लिया है कि बहियों में की गईं प्रविष्टियां बाली हैं । जिन आमदमियों ने इन बोगस फर्मों में अपना छिपाया हुईं आमदना लगायी थी, उन पर कर-निर्धारण के लिए कदम उठाये जा रहे हैं । वास्तव में, उन में से कई आमदमियों हैं, जिन्होंने अपना आमदना छिपायी थी, अपनी आमदना को कर-निर्धारण के लिये समर्पित कर दिया है ।

(ग) जी, हां ।

(घ) 9-12-1965 तक सभी संबंधित अधिकारियों को आरोप-पत्र दिये जा चुके हैं ।

(ङ) यह सत्य है कि एक आयकर अधिकारी का मृत्यु 29-11-65 को हो गई । परन्तु स्पष्टतः 28 दिन तक आरोप-पत्र न दिये जाने का उसकी मृत्यु से कोई सम्बन्ध नहीं है । बताया जाता है कि आयकर अधिकारी मधुमेह व हृदय रोग का रोगी था और स्पष्टतः जांच का उसकी मृत्यु से कोई सम्बन्ध नहीं था ।

(च) अनुशासनिक कार्यवाही चल रही है ।

कैंसर

275. श्री किशन पटनायक :
डा० राम मनोहर लोहिया :
श्री मधु लिमये :
श्री बागड़ी :

क्या स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कैंसर के उपचार के लिए एक भारतीय वैज्ञानिक ने "जहरिन" नामक औषधि का आविष्कार किया है;

(ख) यदि हां, तो क्या उक्त औषधि का पूर्ण वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा चुका है; और

(ग) क्या यह औषधि उपचार के लिये प्रयोग में लायी जा रही है ?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री (डा० सुशीला नायर) : (क) डा० दुलभ के, के० राय ने "जवाहरान" (न कि जहरिन) नामक एक औषधि निकाली है । कहा जाता है कि यह सड़े हुए आलूओं से निकाले गये एस्पजिलस नाइजर के एक स्ट्रेन से निकाला गया एक प्रतिजवाण पदार्थ है ।

(ख) "जवाहरान" का अभी पूरा पूरा वैज्ञानिक विश्लेषण नहीं हुआ है ।

(ग) मानव उपचार के लिये इसका प्रयोग नहीं किया जा रहा है ।

Night Shelters in Delhi

276. Shri R. G. Dubey:
Shri Kolla Venkaiah:
Shri M. N. Swamy:
Shri Laxmi Dass:
Shrimati Vinla Devi:
Shri Vasudevan Nair:
Shri Maheswar Naik:
Shri Yashpal Singh:
Shri S. M. Banerjee:
Shri D. N. Twarav:
Shri S. C. Samanta:
Shri Subodh Harada: